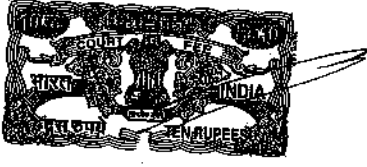


44

M. 5066 हीन/16

न्यायालय श्रीमान सदस्य राजस्व मण्डल सर्किट कोर्ट रीवा, म.प्र.



श्री. सुनील कुमार सिंगरौल एड. द्वारा आज दिनांक 11.2.16 प्रस्तुत किया गया: 5-201-09/16
सर्किट कोर्ट रीवा

केतकी — आवेदिका

बनाम

सतुलिया वगैरह

— अनावेदकगण

आवेदन पत्र बावत प्रकरण को पुनर्स्थापित कर सुनवाई में लिये जाने बावत

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 35 (3) म.प्र. भू-रा.सं.

मान्यवर,

आवेदन पत्र के आधार निम्न हैं:-

- 1- यह कि उक्त उन्मान का प्रकरण माननीय न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है, जो आज दिनांक को नियत था।
- 2- यह कि आवेदक/अधिवक्ता अन्य न्यायालय में व्यस्त होने के कारण पुकार के समय मान्. न्यायालय के समक्ष उप. नहीं हो सके, ऐसी स्थिति में मान्. न्याया. द्वारा प्रकरण को अदम पैरवी में खारिज कर दिया गया।
- 3- यह कि आज ही पुनर्स्थापन बावत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया जा रहा है। जानबूझकर उपो हेतु लापरवाही नहीं की गई है, बल्कि पुकार के समय अन्य न्यायालय में व्यस्त होने के कारण अधिवक्ता उपो नहीं हो सके, ऐसी स्थिति में प्रकरण को पुनर्स्थापित किया जाना न्यायहित में आवश्यक है, अन्यथा आवेदक को अपूर्तनीय क्षति होगी और आवेदक न्याय प्राप्त करने से वंचित हो जायेगा।

अस्तु श्रीमान जी से निवेदन है कि प्रकरण को पुनर्स्थापित कर पुनः सुनवाई किये जाने की महान कृपा की जाय।

आवेदिका

केतकी

द्वारा/अधि.

दिनांक-11.2.16

सुनील कुमार सिंगरौल, एड. रीवा

12-2-16

- 1- प्रकरण प्रस्तुत।
- 2- आवेदक की ओर से श्री सुनील कुमारी शर्मा एडवोकेट उपर।
- 3- आवेदक अधिभाषक के तर्क मूल प्रकरण क्रमांक R 1668-III/13 अदम पैरवी दिनांक 11.2.16 के पुनर्स्थापन आवेदन पर सुना गया तथा प्रकरण का अवलोकन किया।
- 4- अनावेदक अधिभाषक श्री अंजली सोनी न्यायालय में उपस्थित रहे, किन्तु पुनर्स्थापन की प्रतिक्रिया प्राप्त करने से इंकार किया।
- 5- आवेदक अधिभाषक द्वारा बताया गया कि मूल प्रकरण में दिनांक 11.2.16 को उपस्थित होने में जात बूझ कर लापरवाही नहीं की गई है, बल्कि पुकार के समय अन्य न्यायालय में व्यस्त होने के कारण उपस्थित नहीं हो सका।
 चूंकि आवेदक अधिभाषक द्वारा दिनांक 11.2.16 को पुनर्स्थापन आवेदन प्रस्तुत किया गया है तथा अनावेदक अधिभाषक श्री अंजली सोनी को इसकी जानकारी भी तथा इन्होंने आवेदन की प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं की। आवेदक द्वारा प्रस्तुत पुनर्स्थापन आवेदन दिनांक 11.2.16 समाप्त सीमा में प्रस्तुत किया गया है। अतएव मूल प्रकरण क्र. 1668 III/13 अदम पैरवी दिनांक 11.2.16 पुनः न्यायालय में विचारित है। अतएव मूल प्रकरण में आवेदक को न्यायालय में उपस्थित करने का निर्णय लिया गया।

6. प्रकाशपंजी से समाप्त होकर दे-हो। सदास.

[कृ. प. उ.]

